



## सुबह-नाश्ता के लाभार्थी

पिताश्री संघवी सोकलचन्दजी इन्दरमलजी के दिव्याशीष एवं मातुश्री ढेलीदेवी सोकलचन्दजी इन्दरमलजी वेदमुया के आशीर्वाद से पुत्र-पुत्रवधू : कानराज-कमलादेवी, अशोककुमार-लिलतादेवी पौत्र-पौत्रवधू : अरविंदकुमार-रीनादेवी, चन्द्रकांत-खुरबुदेवी, अखिल-सेजलदेवी पौत्री : सलोनी • पडपौत्र-पडपौत्री : नीवकुमार, ऐशा, अयाना बेटा-पोता-पडपोता संघवी शा. सोकलचंदजी इंदरमलजी वेदमुया परिवार, रेवतडा

प्रतिष्ठान : शा. इन्दरमल सुखराज एण्ड को., बंगलुरु





## सुवह की नवकारशी के लाभार्थी

पुण्यसम्राद् गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा. की कृपा से एवं मातुश्री श्रीमती सुमटीदेवी तगराजजी हिराणी के दिव्याशीष से शा. चम्पालाल, फतेहराज, कान्तिलाल, प्रकाशचन्द, गौतमचन्द, राजेन्द्रकुमार, महावीर, सन्दीप, प्रदीप, राकेश, दिलीप, धीरज, चेतन, अमित, आकाश, अमन, मीत, ध्रुव, नकुल, जनित, समर, भव्य, मनित, हिरव, धीर बेटा-पोता-पडपोता शा. तगराजजी जेठमलजी हिराणी परिवार, रेवतड़ा प्रतिष्ठान : शा. तगराजजी जेठमलजी हिराणी, दिल्ली - बेर्मं - बेंगल्र





## शाम की नवकारशी के लाभार्थी

पूज्य सुमेरमलजी सुखराजजी एवं सुरेराकुमार सुमेरमलजी के दिव्याशीष से संघरी शा. कपुरचंद, कीर्तिकुमार, प्रवीणकुमार, महेन्द्रकुमार, मुकेशकुमार, अभितकुमार, आकाशकुमार, यरा, यदित, हर्ष, युग, द्वित, तान्या, यारिका, दीदिता, छवि, दिश्वी बेटा-पोता-पडपोता शा. सुखराजजी भगाजी वेदमुधा परिवार, रेवतड़ा प्रतिष्ठान : संघवी होजेरी कॉपीरेशन, बंगलरु





,पभु के वियोग में भी भक्तों को पभु का माक्षात् मिलन करवाने वाले परम पुष्ट आलंबन का नाम है जिन, प्रतिमा।

